International Journal for Research Publication and Seminar
ISSN: 2278-6848 | Vol. 16 | Issue 1 | Jan-Mar 2025 | Peer Reviewed & Refereed

" राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ओर ऑनलाइन शिक्षा की भारत के परिप्रेक्ष्प में प्रासंकगिकता व ऑनलाइन शिक्षा के प्रति जागरूकता "

प्रहलाद सहाय मीना, शोधार्थी
डॉ देवेन्द्र कुमार लोढा, शोध निर्देशक
शोधार्थी, शिक्षा संकाय
लार्ड विश्वविद्यालय अलवर–राजस्थान

Check for updates

Published: 02/03/2025 * Corresponding author

सारांश :–

प्राचीन काल में शिक्षा किताबो एवं ब्लेकबोंड के माध्यम से प्रदान की जाती थी जिसके माध्यम से अध्यापक विद्यार्थियों को नोट्स लिखाकर शिक्षण प्रदान करते थे लेकिन वर्तमान समय में परम्परागत शिक्षण के साथ साथ ऑनलान माध्यम से शिक्षा प्रदान कर रहे है जिसेक लिए विभिन्न डिजिटल माध्यम से शिक्षण प्रकिया को पूर्ण किया जा रहा है। ऑडियो–विडियों शिक्षण व्यवस्था से विद्यार्थियों में संज्ञात्मक पक्ष को बल दिया जाता है जा बच्चों में रूचि पैदा करते हुए उत्साह व मनोरंजन के साथ शिक्षण पूर्ण करते है। ऑनलाइन शिक्षण के माध्यम से विद्यार्थी परम्परागत पद्वति की अपेक्षा तेज गति से सिखते है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में ऑनलाइन शिक्षा पर बहुत अधिक बल दिया गया जिसमें सबसे बडा पार्ट कोरोना जैसी वैष्विक बिमारी के समय शिक्षा व्यवस्था को सुचारू रूप से संचालन में एक ऑनलाइन शिक्षा ही ऐसा पार्ट थी जो शिक्षा को अनवरत चलने मे सहयोग प्रदान कर राष्ट्रीय शिक्षा का स्तर बढाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

ऑनलाइन शिक्षा प्रणाली अर्थात ई–लर्निंग के आधार पर शिक्षा को जाना जाता है। भारत जेसे विकासशील राष्ट्र में ऑनलाइन शिक्षा एक तकनीकि टुल्स के रूप में उपयोग किया जाने का स्वपन सजोंया गया जिसको सीमित संसाधनों के साथ प्रारम्भ भी किया गया जो स्वभाविक तौर पर कियात्मक होते है जिनका उद्देश शिक्षक व शिक्षार्थी के व्यकितगत अनुभव, ज्ञान एवं अभ्यास के साथ शिक्षण प्रक्रिया को पूर्ण करना है। ऑनलाईन शिक्षा प्रणाली का नवीनतम रूप है जिसको विभिन्न प्लेटफार्म के साथ सम्पन्न किया गया। जिसके लिए शिक्षक के रूप मे इन्टरनेट पर उपलब्ध शैक्षणिक सामग्री का उपयोग किया गया। सन् 1993 में ऑनलाईन शिक्षा को वैध शिक्षा के रूप में मान्यता मिल गई थी जिसको हम दुरस्थ शिक्षा के रूप मे भी जानते है। ई–लर्निंग पर आधारित शिक्षा आज के परिप्रेक्ष्य में बहुत ही कारगर सिद्व हो रही है क्योकि आमकाजी लोगों की शिक्षा को पूण करने में ऑनलाइन शिक्षा महत्ती भूमिका निभा रही है।

प्रस्तावनाः–

आज की शिक्षा व्यवस्था को सुचारू संचालन में ऑनलाइन शिक्षण महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। जिसमे विडियों प्रजेन्टेशन, ई–लर्निंग पर आधारित कक्षाओं का आयोजन कर विद्यार्थियों में ऑनलाइन कक्षा के विकास की नींव डाली जिससे बालक अपने समय एवं संसाधनों के आधार पर अपनी शिक्षण पूर्ण कर सकता है। आज शिक्षण को तकनीकि रूप से सक्षम करने के लिए ऑनलाइन माध्यम अपनाया गया है। आज वैषविक विष्व में भी शिक्षा को नजदीक लाकर रख दिया है। जिसमे इन्टरनेट की सूविधा का उपयोग करते हुए विभिन्न प्लेटफार्म के माध्यम से शिक्षण को पूर्ण किया जा रहा है।

सीखना जीवन पर्यन्त चलने वाल एक सत्त प्रक्रिया है जिसको कही भी सीखा जा सकता है परन्तु राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में ऑनलाइन शिक्षा को अधिक बढावा दिया गया। वर्तमान शिक्षा व्यवस्था में इन्टरनेट संसाधनों को विकसित करने पर बल दिया गया जिससे ऑनलाइन शिक्षा व्यवस्था का सुचारू संचालन किया जा सके। ऑनलाइन शिक्षा को पूर्ण करने के लिए स्मार्ट क्लास का निर्माण,उच्च क्षमता वाला इन्टरनेट कनेक्शन का उपयोग कराना।

ऑनलाइन शिक्षा के प्रमुख लाभः–

1. **ऑनलाइन शिक्षा समय के अनुरूप प्राप्त करने में सहायकः–** राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में ऑनलाइन शिक्षा पर विषेश जोर दिया गया जिससे बालक अपने समय के अनुसार पढाई कर सके। ऑनलाइन शिक्षा में तकनीकि संसाधनों का प्रयोग कर यूट्यूब के माध्यम से, लाइव क्लास के माध्यम से शिक्षा एवं आवष्यक ऐप का प्रयोग करक शिक्षा का उचित उपयोग किया जा सकता है।
2. **ऑनलाइन शिक्षा के लिए पायलट प्रोजेक्ट के माध्यम से बढावा देनाः–** राज्य सरकार, विष्वविद्यालय अनुदान आयोग, राष्ट्रीय अध्यापक परिषद तथा तकनीकि संस्थाओं के माध्यम से ऑनलान प्लेटफॉम तैयार किये गये जिनका बडे पैमाने पर शिक्षा व्यवस्था को नियमित संचालन के लिए उपयोगी बनाया। इसके लिए खॉन अकेडमी,स्वयं पोर्टल तथा लक्ष्यप्रभा नाम से विभिन्न प्लेटफॉर्म का निर्माण किया जो राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की संकल्पना को पूर्ण करने में सहयोग प्रदान कर रहे है। ऑनलाइन शिक्षा का आधार सम्पूर्ण विष्व को एक परिवार के रूप में जोडकर शिक्षा का आदान प्रदान कर कार्य करने में सक्षम बनाया जा सके।

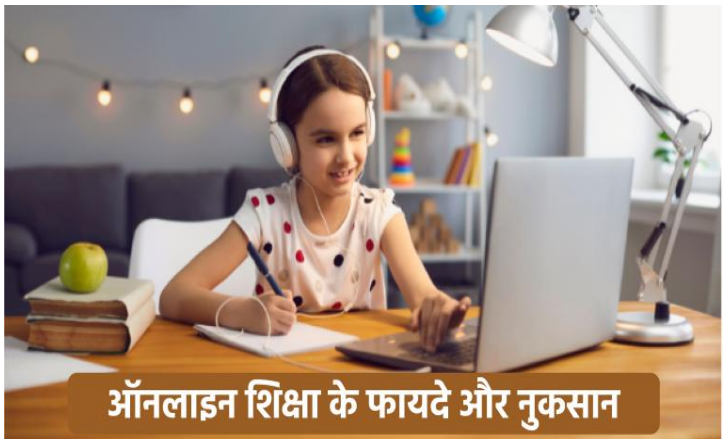

3.**तकनीकि आधारभूत संरचना का विकास करनाः–** भारत विशमताओं वाला देश है जहॉ अनेक अनेक कार्यो के लिए सभी संसाधनों का प्रत्येक जगह पर उपलब्ध होना कठिन कार्य है। क्योकि रेगिस्तान,पठारी एवं समुद्री क्षेत्र में इन्टरनेट की सूविधा का प्रयोग करना कठिन ही नही अपितु

दुर्लभ है क्योकि यहॉ नेटवर्क की कमी होती है ओर ऑनलाइन शिक्षा को देने के लिए इन्टरनेट का उच्च स्पीड में चलना अति आवष्यक है। इन्टरनेट की संरचना को निम्न प्रकार से स्थापित किया जा सकता है।

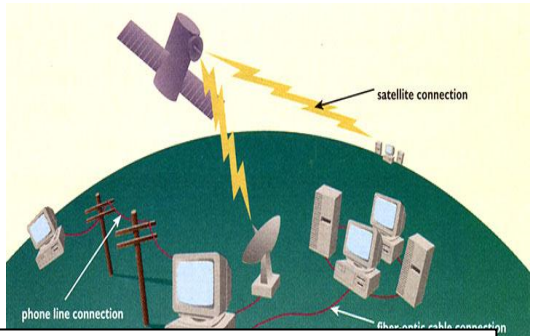

ऑनलाइन शिाक्षण प्लेटफॉर्म एवं शिक्षण प्रकियाः– राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के द्वारा ऐसे विभिन्न शिक्षण प्लेटफॉर्म तैयार किये गये जिनके माध्यम से शिक्षण प्रकिया को पूर्ण कर विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य तक पहुचने में सहयोग प्रदान करता है। ऑनलाइन शिक्षण प्रदान करने वाले ऐप निम्न है–

ऑनलाइन शिक्षा के भारत में काम आने वाले प्रमुख शैक्षणिक एप जो प्रभावी शिक्षण में महत्ती भूमिका निभाते है।

1. जूम एप
2.
3.
4.
5.
6.
7.
8.
9.
10

इनके
देश क
संभाल
नीति 2
तेज ग
किया

4. **ऑनलाइन मूल्यांकन ओर परीक्षाः–** राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 देश की शिक्षा व्यवस्थसा को 21 वीं सदी की शिक्षा में बदने के लिए अथक प्रयास किये है। जिसका मूख्य उद्देश कौशल पर आधारित शिक्षा पर बल देना रहा है। जिसमे बालक मे शिक्षा पूर्ण करते समय तक तकनीकि रूप से इतना कठिन बना दिया जाये जिससे वह रोजगारपरक शिक्षा प्राप्त कर जीवन यापन कर सके। आज विकसित राष्ट्र जैसे जापान, अमेरिका एवं फ्रांस जेसों ने नागरिक को कौशल आधारित शिक्षा प्रदान करने की योजना को कारगर करने का प्रयास किया है।

5. **सिखने के मिश्रित मॉडलः–** राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 मे सीखने के मिश्रित मॉडल की संकल्पना की है जिसके आधार पर परम्परागत ओर तकनीकि शिक्षण के बीच सामंजस्य बनाकर शिक्षण प्रदान कर नैतिक मूल्यों का विकास करते हुए वैष्विक शिक्षण को पूरा किया जा सके। तकनीकि ओर परम्परागत मॉडल के बीच सामंजस्य बैठाकर कौशल युक्त शिक्षा प्रदान करना जिससे अर्न्तराष्ट्रीय बाजार में रोजगार के अवसर की खोज कर सके ओर इस प्रतिस्प्रर्दा भरे समय में रोजगार प्राप्त कर या रोजगार के नये अवसर तैयार करते हुए दूसरो को भी रोगार प्रदान कर सके।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में केन्द्र सरकार ओर राज्य सरकार द्वारा ऑनलाइन शिक्षा को बढावा देने के लिए की गई पहलः–

केन्द्र सरकार द्वारा ऑनलाइन शिक्षा को बढावा देने के लिए ऐसे विभिन्न कार्यक्रम ओर प्रोग्राम को चलाया जा रहा है जिसके माध्यम से शिक्षा को ऑनलाइन माध्यम से संचालित किया जा सके। केन्द्र सरकार द्वारा संचालित कार्यक्रम निम्न है जिनके माध्यम से ऑनलाइन शिक्षा को बच्चों तक देना सम्भव हो सका।

1. दिक्षा मंच
2. स्वयं प्रभा टी.वी. चैनल
3. ई–पाठशाला
4. मनोदर्पण पहल
5. स्वंय पोर्टल

इनके अतिरिक्त भी ऐसे विभिन्न प्रोग्रम है जिनके माध्यम से ऑनलाइन शिक्षा को बढावा दिया जा रहा है ओर दिन प्रतिदिन विभिन्न प्लेटफॉर्म तैयार किये जा रहे है जो ऑनलाइन शिक्षा को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप संचालित करने में सहयोग प्रदान करते है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में राज्य सरकार द्वारा ऑनलाइन शिक्षा को बढावा देने के लिए की गई पहलः–

1. स्माइल प्रोजेक्ट– राजस्थान सरकार द्वारा
2. प्रोजेक्ट होम क्लासेज– जम्मू सरकार
3. पढाई त्यौहार द्वारा– छतीसगढ सरकार
4. उन्नयन पहल– बिहार सरकार
5. शैक्षिक टी.वी. चैनल– केरल सरकार

अतः इस प्रकार से प्रत्येक राज्य सरकार महत्वकांक्षी योजना के तहत ऑनलाइन शिक्षा को प्रदान किया जा रहा है जिसके लिए विभिन्न एप का निर्माण किया गया है।

निष्कर्षः–

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का आगमन ओर वैष्विक महामारी कोरोना का पूरे विष्व को अपने आगोस में लेना शिक्षा को सुचारू रूप से चलाने को लेकर सबसे बडी चुनौती थी उस दौर में ऑनलाइन शिक्षा अर्थात डिजिटल मिडिया के माध्यम से शिक्षा को सुचारू रूप से चलाने में एक मील का पत्थर सागित हुई है। केन्द्र सरकार ओर राज्य सरकार ने विभिन्न प्लेटफॉर्म को लॉच करते हुऐ ऑनलाइन शिक्षा व्यवस्था को अपनाने की ओर कदम बढाया। जिसमें स्कुली शिक्षा, विष्वविद्यालयी शिक्षा दोनो ही क्षेत्र में सार्थक प्रयास किये गये।

सन्दर्भ सूचीः–

1. जुलाई 2020 दृष्टि भारत में डिजिटल शिक्षा http://www.dristiias.com/hindi/daily-updates/daily-news-analysis/india/india-reports-ondigital-education2020
2. पी.सक्सेना जुलाई 2020 नैतिक एवं डिजिटल शिक्षा द्वारा समता एवं विकास की ओर अग्रसेर राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 http://bachapanexpress.com/higher-education/-580636-2020

प्रहलाद सहाय मीना, शोधार्थी
डॉ देवेन्द्र कुमार लोढा, शोध निर्देशक
शोधार्थी,शिक्षा संकाय
लार्ड विष्वविद्यालय अलवर–राजस्थान